50 RS.

पचास रुपया

भारत
INDIA
FIFTY RUPEES

५०रू.   50RS

केवाला दाता - शेख शहजान महतो पिता मृत आबुजान महतो जाति मुसलमान पेशा कृषि निवास गाँव तेंतुलिया थाना चास हाल साकिम उकरीद थाना हरिला प्रखण्ड कासपैल जिला धनबाद

केवाला ग्रहीता - श्रीमती श्यामा शुक्ला पति श्री रघुनाथ - प्रसाद शुक्ला जाति भुमिहार पेशा गृहस्थानी निवास रघुहती थाना बैकुण्ठपुर जिला गोपालगंज । हाल निवास तेंतुलिया - थाना चास जिला धनबाद ।

केवाला दस्तावेज मूल्य 1000) एक हजार रुपया ।
मौजा तेंतुलिया के अन्दर रकबा ·05 डी० हं० डी०
सलाना मालगुजारी ·05 पैसा पाँच पैसा ।

मालीक जमीन बिहार सरकार ।

SAI AASTHA INFRASTRUCTURE
Kamal ki   श्यामा शुक्ला
Proprietor

2 RS

INDIA

दो रुपये

दो रुपये

सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

तफ़शील - जिला धनबाद सबरजिस्ट्री ऑफिस को थाना चास प्रगना स्नासपैल अन्तर्गत ३८ नं० थाना युक्त मौजा तेतुलिया के अन्दर मेरे अपने नाम से गत १४-३-६४ ता० को धनबाद रजिस्ट्री ऑफिस का रजिस्ट्री कृत ६४०० नं० केवाला दलील द्वारा केवाला खरीदा खास दखली जमीन का खतियान नं० २८ अठाइस सामिल प्लोट नं० ४५९ चार सौ उनसाठ खरीदा रकबा ५४ डी० में से रकबा ०६ डी० ६ डी० आज आपके हाथ बिक्री किया। जिसका चौहद्दी उ०— आज का खरीद सुरेन्द्र कुमार ओझा द०— श्रीमती सारदा देवी आज का खरीदा पू०— ललन शर्मा गलीनि जेठ प्रसाद वगैरह प०— मेरा बाकी। बिक्रेत जमीन का सालाना मालगुजारी ०५ पैसा पाँच पैसा मालिक जमीन बिहार सरकार।

SAI AASTHA INFRASTRUCTURE

Kamal Kr

Proprietor

श्यामा शुक्ला

शेख शाहिद अंसारी
वं. शमशेर आलम
22/11/68

चुंकि बिक्रय केवाला दस्तावेज लिखने यह है कि कर्ज वसूली एवं अन्यान्य संसारीक खर्च के लिये रुपये की जरूरत होने पर बगैर जमीन बिक्री किये रुपये की बन्दोबस्त होना कठिन था इस लिये तफसील वर्णित जमीन केवाला बिक्री करने का प्रस्ताव करने आप समयानुसार सबसे उच्च मूल्य 1000) एक हजार रुपया में खरीदने के लिये राजी होने से मैं उक्त मूल्य बाबत कुल रुपया नगद लेकर यह केवाला पत्र लिखकर मैं तथा मेरे परीवार गण चीर काल के लिये निःस्वत्व हुये एवं आपको दखल कार किया आप आज तारीख से मेरे जैसा हर तरह के मालीक बनते हुये जमीन मजकूर निज जोत या जोताबाद दान, बिक्री, रेहन, हस्तान्तरीत आदि सर्व प्रकार के मालीक बनकर परम सुख से भोग दखल करें तथा मेरा नाम खारीज कर मालीक जमीन्दार बिहार सरकार को सलाना मालगुजारी देकर आप अपने नाम से रसीद कटा लें। इससे मेरा या मेरे परीवार गण को किसी भी प्रकार की उज्र या एतराज न होगा कभी कोई करे और आपको क्षति हो तो हमें मुदालय में हाजिर होकर क्षति पूर्ती का देनदार मुझको होना पड़ेगा।

अतएव मैं अपनी स्थिर बुद्धि एवं सरलता से सोच विचार कर तथा मूल्य का समस्त रुपया पाकर यह केवाला पत्र लिख दिया जो समय पर काम आवे। इति- बंगला सन १३७६ साल ता० 11 अगहन, अंग्रेजी सन 1968 साल ता०- 22 नवम्बर।

मजमून पढ़ कर दोनों पक्षों को सुनाया एवं समझा दिया।

"लेखक"
मु० हुसैन अन्सारी
मो: चास

गवाह
मु० हुसैन आन्सारी
चास

मो० शकिल अन्सारी
साकीन उकरीद

शमशेर आलम
उकरीद
22/11/68

SAI AASTHA INFRASTRUC...
Kamal [signature]

Proprietor

[signature]